

3. चित् (von 3. चि) adj. bestrafend in शणाचित्.

4. चित् I. चेतति Dhātup. 3, 2. (वि) चेतत्: चिचेत, चिचितुम् Vop. 8, 87. चेततुम्; चेता (vgl. चेतर्); अचेतित् Vop. 8, 35; चित्ते, अचेति und चेतित्; चिचिते: चित्तान, चित्ते; II. (कित्) चिकेति (चिकेति West. und Wils.) Dhātup. 25, 20. चिकिद्धि; चिकेतति, ०सि, ०धस्; चिकेतत्; चिकेत, चिकितुम्; (प्र) चिकितस् 2. sg.; partic. चिकितस्; med.: चिकित्ते, चिकित्रे, ०त्रिरे, चिकितान् (s. auch bes.), चिकिते, चिकितान (s. auch bes.). 1) wahrnehmen, bemerken, merken auf, Acht haben, beobachten; mit dem gen. und acc.: तदिन्द्रो अर्थं चेतति RV. 1, 10, 2. (अग्निः) क्रत्वा यज्ञस्य चेतति 128, 4. 3, 11, 3. स हि क्षयस्य जन्मनश्चेतति 7, 46, 2. सुतानाम् 1, 2, 5. द्या-वापृथिवी चेततामपः 10, 33, 1. त्वं नो अस्य वचसश्चिकिद्धि 4, 4, 11. 5, 22, 4. 73, 6. येन वृत्रं चिकेतयः 8, 9, 4. चेततुः AV. 3, 22, 2. SV. 1, 2, 2, 4. 10. तपो वसो चिकितानो अचित्तान् RV. 3, 18, 2. नेषूनचेतन्नस्पत्तम् BHATT. 17, 16. न चाचेतीतान् 15, 38. चिचेत रामस्तत्कच्छम् 14, 62. यं चिकेतानमनु चित्तप उच्चकति Bhāg. P. 6, 16, 48. pass.: चिते तदा रातिः सुमतिरश्चिना RV. 10, 143, 4. अचेति केतुहपसः पुरस्तात् 7, 67, 2. 4, 43, 6. न सार्पकस्य चिकिते 3, 53, 23. 1, 51, 7. युवोरहं प्रवृणो चिकिते रथः 119, 3. 53, 3. 2, 34, 10. तथ्यातु-धानिश्चिकिते BHATT. 2, 29. — 2) sein Absehen richten auf, beabsichtigen; mit dem dat.: यदिन्द्रं कृत्वे मृषा वृषा वञ्चिं चिकेतसि RV. 1, 131, 6. यो नो दास आयां वा युधये चिकेतसि 10, 38, 3. trachten nach, mit dem acc.: चित्तान् स लोकां — अभिसिध्यति Kānd. Up. 7, 5, 3. — 3) bedacht sein auf, besorgen, sich angelegen sein lassen: मदं यो अस्य रक्षं चिकेतसि RV. 10, 147, 4. यः पात्रं हारियोजनं पूर्णमिन्द्रं चिकेतसि 1, 82, 4. सोमो जैत्रस्य चेतति 9, 106, 2. — 4) beschliessen, wollen: यच्चिकेतं सत्यमितन्न मोषम् RV. 10, 35, 6. एतमर्थं न चिकेताकुम्भिः mit dieser Sache will ich nichts zu thun haben 51, 4. अपिपित्वं चिकितुर्न प्रपिपम् 3, 53, 24. — 5) verstehen, begreifen, wissen: इह ब्रवीतु य उ तच्चिकेतत् RV. 1, 33, 6. 7. 164, 48. चिकेतहातुम् 5, 36, 1. 6, 9, 3. को अस्य वां देवौ मर्तश्चिकेतसि 59, 5. नाहं देवस्य मर्त्यश्चिकेत 10, 79, 4. 2, 14, 10. 5, 63, 1. मनसा AV. 7, 2, 1. 5, 5. चिकितान kundig RV. 5, 66, 1. pass.: नहि स्वमायुश्चिकिते जनेषु 7, 23, 2. — 6) zur Besinnung kommen: एवं ते जचेतिषु सर्वे BHATT. 15, 109. — 7) sich vernehmen lassen, sich zeigen; erscheinen, gelten; bekannt sein, sein; act. und med.: य इन्द्र सोमपातमा मदं शविष्ठ चेतति RV. 8, 12, 1. यो विश्वान्यभि व्रता सोमस्य मदं अर्थसः । इन्द्रो देवेषु चेतति 32, 28. मन्द्रा चिकेत नाड्येषु विन्तु 1, 100, 16. अयं विचर्षणिकृतः पर्वमानः स चेतति 9, 62, 10. मर्या इव अयमेव चेतथा नरः 5, 59, 3. रथो न यो रथीर्वतो धृणीवा चेतति त्मना 10, 176, 3. 2, 4, 6. 5, 27, 1. 6, 12, 3. 7, 93, 2. partic.: चिकेतत् (रथः) 9, 111, 3. med.: कृतानीदस्य कर्त्वा चेतते दस्युर्कणा 47, 2. न चित्रेण चिकिते रंसु भासा 2, 4, 5. 10, 3, 4. 91, 5. ज्ञातो अग्नी रैवते चिकितानः 3, 29, 7. 5, 1. 2, 33, 15. 6, 36, 5. VS. 15, 51. चितान 10, 1. RV. 9, 101, 11. — 8) partic. perf. चिकित्वम् a) bemerkt hab. nd RV. 1, 125, 1. bemerkend, merkend auf, aufmerksam 4, 16, 2. 29, 2. 7, 60, 7. 8, 6, 29. स दाशुषे किरतु भूरि वामं रायस्पोषं चिकितुषे दधातु TS. 3, 3, 44, 5. — b) verstehend, wissend, kundig: विद्वान्चिकित्वान्कुर्यश्च वर्धसे RV. 3, 44, 2. 1, 164, 6. 4, 7, 5. 12, 1. 6, 52, 12. स्तुतं चिकित्व स्तुतिमिच्छिकिद्धि 5, 12, 2. 6, 5, 3. अयं अयौ चिकितुषे रणाप 44, 4. उपौ एमि चिकितुषो विपृच्छम् 7, 86, 3. 104, 12. पुरुषः 10, 53, 1. 125, 3. Ueber die Erklärung von चिकित्व: Nir. 6, 8 s. Roth, Erll. zu d. St. — Vgl. चिकित् figg., अचित्त, चित्त, चेतन,

II. Theil.

चेतप figg., चेतम्. — चित् ist eine Weiterbildung von 2. चि; vgl. auch चित्.

— caus. चित्तयति (ved.) und चेतयति act. und med. 1) aufmerken machen, erinnern: इन्द्रं न यज्ञेचितयत्त आयवः RV. 1, 131, 2. उच्छस्तीर्य चितयत्त भोजान्नाद्येदेययोपसः 4, 51, 3. — 2) begreifen machen, unterweisen, lehren: अचेतयदचितो देवो अयः RV. 7, 86, 7. अचेतसं चिञ्चितयत्त दत्तैः 60, 6. स चेतयन्मनुषो यज्ञबन्धुः 4, 1, 2. अचेतयद्विषं इमा जग्निरे 3, 34, 5. — 3) wahrnehmen, bemerken: प्रवद्विरिन्द्राञ्चितयत्त आयन् als sie ihn bemerkten RV. 1, 33, 6. पूर्वं चेतयते जगुर्गिरिन्द्रायैर्विषयान्पृथक् MBu. 12, 9890. मध्येन जीवतां नेपो नैतच्चेतयते यथा KATHA. 13, 10. aufmerken, achten auf: एवेदो अश्विना चेतयेथाम् RV. 8, 9, 10. 10, 110, 8. उप प्रेतं कुशिकाश्चेतयधम् 3, 53, 11. चितयत्तः पर्वणा पर्वणा वयम् 1, 94, 4. मन्हा रूपे चितयतो अन्तु गमन् absehend auf 6, 1, 2. 5, 15, 5. — 4) zu einer Vorstellung gelangen, Bewusstsein haben; begreifen, denken, nachdenken; med.: यदि मनसा चेतयते तदाचा वर्दति TS. 6, 1, 3, 4. Çat. Br. 8, 5, 3. 6, 2, 3, 1. figg. 8, 2, 1, 2. 3, 1, 2 u. s. w. Im Çat. Br. werden Wortspiele mit चि schichten gesucht, daher die Gleichsetzung von चेतप mit चितिमिष. चितं वाच संकल्पद्रूपो यदा वै चेतयते ऽथ संकल्पयते ऽथ मनस्यत्यथ वाचमीरयति Kānd. Up. 7, 5, 1. अभावभूतः स विनाशमेत्य केनात्मना चेतयते परस्तात् MBu. 1, 3616. चेतयते ऽत्तरात्मा 14, 1333. 12, 6863. भूतान्येव चेतयते Prab. 28, 1. येन चेतयते विश्वं विश्वं चेतयते न यम् (Burnouf: celui par qui tout être pense et que nul être ne fait penser, also das zweite Mal mit caus. Bed.) Bhāg. P. 8, 1, 9. Auch act.: किं नु सुतो ऽस्मि जगामि चेतयामि न चेतये MBu. 18, 74. zum Bewusstsein gelangen, aufwachen: यावद्वातस्यश्चेतयति न BHATT. 8, 123. eine richtige Vorstellung von Jmd oder Etwas haben, kennen: न चेतयति वो राजा मन्दबुद्धिः MBu. 3, 14877. चेतयान् bei Verstande seiend, vernünftig: चेतयानो हि को जीवेत्कृच्छ्राक्कुत्रुभिरुद्धतः 15089. 5, 1361. 8, 2046. R. 2, 109, 7. — 5) erscheinen, sich auszeichnen, conspicuum esse; scheinen, glänzen; act.: ब्रह्मणा चितयेमा जना अति RV. 2, 2, 10. येन व्यं चितयेमात्यन्यान् 4, 36, 9. इमं ह तमर्थं पादयामि यथेन्द्राकुम्भमश्चेतयानि TS. 3, 2, 10, 2. partic.: ब्रह्म RV. 2, 34, 7. अर्क 5, 41, 7. रूपि 6, 6, 7. कृपा 15, 5. Hierher ist wohl auch zu ziehen: वनेन तद्वात्रया चित्त्या 1, 129, 7, wo viell. चितयत्त्या der urspr. Ausdruck war. — 6) स्तुतिश्चितयद्देसी अन्तु 2, 2, 5. med.: येन मानासश्चितयत्त उम्ना व्युष्टिषु शर्वसा शञ्जतीनाम् 4, 171, 5. द्यावो न स्तुभिश्चितयत्त खादिनः 2, 34, 2. हरेदृशो ये चितयत्त एमभिः 5, 59, 2. — चेतति wird Vop. 21, 8 als denom. von चेतम् erklärt.

— desid. चिकित्सति, ०ते (MBu. 12, 12544) P. 3, 1, 5. Dhātup. 23, 24 (von कित्). 1) beabsichtigen, es absehen auf: यो अस्मभ्यमंहरणा चिकित्सात् AV. 9, 2, 3. lüstern sein: पुनर्मघं त्वं मनसाचिकित्सीः 5, 11, 1. — 2) Fürsorge treffen, sorgen für: चिकित्सतु प्रज्ञापतिर्दोषायुवाप चक्ष्मे AV. 6, 68, 2. रुद्रो भूमे चिकित्सतु 141, 1. स नः पितेव पुत्रेभ्यः श्रेयः श्रेयश्चिकित्सतु 10, 6, 5. — 3) heilen, ärztlich behandeln Siddh. K. zu P. 3, 1, 5. येन चिकित्सेत् Kāth. Çr. 25, 13, 10. चिकित्सते रोगार्तान् MBu. 12, 12544. चिकित्सितुम् 1, 1757. Suçr. 1, 52, 10. BHATT. 1, 83. चिकित्स्यमानः सम्यक्का विकारः Suçr. 1, 119, 3. अनेकापकारैः सैद्यैः सक्त्वास्त्रोपदिष्टापथयुक्त्यापि चिकित्स्यमानो (so ist zu lesen) न स्वास्थ्यमाप्नोति Pan-kāt. 183, 22. Vgl. चिकित्सक u. s. w. — 4) sich zeigen wollen: कुक्षा-

64